राजधानी जयपुर में गुरूवार देर रात को तूफानी बारिश और तेज अंधड़ ने जबरदस्त कहर बरपाया। अजमेरी गेट स्थित रामनिवास बाग में करीब 100 वर्ष पुराना विशाल पेड़ तेज हवाओं के कारण धराशायी हो गया, हालांकि इससे कोई हताहत नहीं हुआ। शुक्रवार को दिनभर पेड़ को काटकर मौके से हटाने का काम चलता रहा। बताया जा रहा है कि, रामनिवास बाग में चूहों की भरमार है, चूहों द्वारा कुतरने के कारण इस पेड़ की जड़ें खोखली हो गई थीं। इस कारण गुरूवार शाम को तेज अंधड़ में यह पेड़ उखड़कर गिर पड़ा। इसी तरह परकोटे के नाहरगढ़ रोड, सी-स्कीम, जे.एल.एन. मार्ग और विद्याधर नगर स्टेडियम के पास भी हरे-भरे पेड़ उखड़ गए। शुक्रवार को ऐसा ही नजारा शहर के अलग-अलग मार्गों पर भी नजर आया।

तूफान से एशिया की सबसे बड़ी जमालपुरा तिरपाल मंडी में करोड़ों का नुकसान

मंडी के तीन गोदाम पूरी तरह नष्ट हो गए तथा कुछ गोदामों की छत उड़ गई तो कुछ दीवारें टूट गईं

- **सड़क किनारे खड़े एक युवक पर पेड़ गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।**
- **होली धोरा के एक खेत में दीवार गिरने से 11 मवेशियों की मौत हो गई।**
- **सुजानगढ़ में 80 से ज्यादा बिजली खम्भे टूट गये। क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई है।**

सुजानगढ़ , 26 मई। (निसं)। गुरूवार रात्रि आए भीषण तूफान ने सुजानगढ़ शहर एवं आस-पास के गांवों में भारी तबाही मचाई है। तूफान के दौरान पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई, तूफान के कहर से मवेशी भी बच नहीं पाए। एक खेत में दीवार गिरने से 18 मवेशियों की मौत हो गई।

तूफान के कारण एशिया की सबसे बड़ी तिरपाल मंडी के रूप में पहचान रखने वाले जमालपुरा में तिरपाल के अनेक गोदामों में भारी नुकसान हुआ है। तूफान के कारण तीन गोदाम पूरी तरह से तबाह हो गए, वहीं अनेक गोदामों दीवारें गिर गई तो अनेक गोदामों के टीन शेड उड़ गए। एक गोदाम की दीवार वहां अंदर खड़ी तीन गाड़ियों पर गिर गई, जिससे उन कारों को बड़ा नुकसान हुआ है। तूफान से छापर रोड पर पेड़ गिरने से उसके नीचे दबने से राजलदेसर के बलरामपुरा निवासी 18 वर्षीय किशननाथ पुत्र ईशरनाथ की मौत हो गई। डी.टी.ओ. कार्यालय में अपने काम से आया किशननाथ गांव जाने के लिए अपने साथियों की गाड़ी का इंतजार कर रहा था। इतने में पेड़ गिरने से वह दब गया, जिसे रामकरण जाट व अन्य ने निजी वाहन से राजकीय बगड़िया उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तूफान से होली धोरा निवासी फारुख खान धोलिया के खेत में मवेशियों के लिए बने मकान की दीवार गिरने से उसके नीचे दबने से 11 भेड़ों व बकरियों की मौत हो गई।

तूफान के कहर से करीब आधा दर्जन राष्ट्रीय पक्षी मोरों की मौत हो गई, वहीं सात मोर घायल हो गए और एक सौ से अधिक कबूतर घायल हो गए। तूफान के कारण प्रगति नगर निवासी किसान कमल दादरवाल के घर पर 132 केवी की विद्युत लाईन गिरने से पूरे घर में करंट फैल गया तथा घर में रखे पचास हजार रूपये नगदी, कपड़े, फ्रीज, कूलर सहित विद्युत उपकरण जल गए। हादसे में शनि मंदिर के पास रहने वाले किसान कमल दादरवाल के भी करंट आया था। यह विद्युत लाईन 220 के.वी. जीएसएस से पारेवड़ा जीएसएस जा रही थी। जिसे ठीक करवाने के लिए ड़िस्कॉम द्वारा बीकानेर से टीम बुलाई गई। एन.के. लोहिया स्टेड़ियम में बरसों से खड़े सफेदे के पेड़ धराशाही हो गए। सफेदे के भारी भरकम पेड़ों के गिरने से एक बिजली को पोल टेढा हो गया, वहीं स्टेड़ियम की दीवार गिर गई तथा दीवार के उस पार सड़क पर खड़े आधा दर्जन ठेले दब कर क्षतिग्रस्त हो गए।

ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह राजस्थान के नए मुख्य न्यायाधीश

जयपुर, 26 मई (का.सं.)। केन्द्र सरकार के विधि व न्याय विभाग ने शुक्रवार को एक नोटिफिकेशन जारी कर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के वरिष्ठतम जज, ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह को राजस्थान हाईकोर्ट का नया चीफ जस्टिस (सी.जे.) नियुक्त किया है।

चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया, डी. वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कोलीजियम ने गत अप्रैल महीने में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सी.जे. पद पर नियुक्ति के लिए जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह के नाम की सिफारिश की थी। राजस्थान हाईकोर्ट में सी.जे. का पद, तत्कालीन सी.जे. पंकज मित्थल की सुप्रीम कोर्ट में जज के पद पर नियुक्ति के बाद से खाली चल रहा है। हाईकोर्ट में फिलहाल एक्टिंग सी.जे.

- **कोलीजियम ने अप्रैल माह में पंजाब एण्ड हरियाणा हाई कोर्ट के वरिष्ठतम जज मसीह को राजस्थान का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की थी।**

पद पर जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव कार्यरत हैं।

गौरतलब है कि, जस्टिस मसीह का जन्म 12 मार्च 1963 को पंजाब में हुआ था। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की और वहीं, 1987 में उन्होंने वकालत शुरू की। इसके बाद उन्हें सरकार ने अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किया। 10 जुलाई 2008 को उन्हें पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसके बाद 14 जनवरी 2011 को जस्टिस मसीह को इस पद पर स्थाई कर दिया गया।

'ऑस्ट्रेलिया के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ईर्ष्या रखते हैं'

ऑस्ट्रेलिया में विपक्ष के नेता पीटर डटन ने कहा कि, वे ईर्ष्यालु हैं, क्योंकि उनमें से कोई भी 20 हजार लोगों को इकट्ठा करने की क्षमता नहीं रखता है

- **पीटर डटन ने कहा कि, गत बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना हुई, पहली बार मैंने ऑस्ट्रेलिया में इस तरह की भीड़ जुटने की असाधारण घटना देखी।**

सिडनी / नई दिल्ली, 26 मई। ऑस्ट्रेलिया में विपक्ष के नेता पीटर डटन ने कहा है कि, ऑस्ट्रेलिया के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जलते हैं। उन्होंने कहा कि, वे ईर्ष्यालु हैं, क्योंकि उनमें से कोई भी 20,000 लोगों को इकट्ठा करने और उनसे अपने सरनेम को बुलवाने में सक्षम नहीं है। संसद को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष डटन ने कहा कि बुधवार को एक असाधारण घटना हुई। उन्होंने कहा, "मुझे लगा कि यह एक असाधारण घटना थी और मैं वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी में भारतीय समुदाय के काम की सराहना करता हूं।" उन्होंने कहा कि वह (ऑस्ट्रेलियाई) प्रधानमंत्री के साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और उनके प्रतिनिधिमंडल का धन्यवाद करने में शामिल हुए।

भारत के साथ संबंधों पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार सत्ता में थी तो संबंध काफी असाधारण और प्रोडक्टिव थे। उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री मॉरिसन और डैन टीन सहित फ्रंट बेंच पर कई लोगों के काम को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा, "मैं आज सुबह (गुरुवार) सिडनी में प्रधानमंत्री मोदी से मिल रहा था। यह बहुत ही सौहार्दपूर्ण और आकर्षक चर्चा थी और जिन व्यापक विषयों पर हमने चर्चा की, वे संबंधों में द्विदलीय समर्थन का संकेत देते हैं।" प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सिडनी यात्रा के दौरान एक सामुदायिक कार्यक्रम में भारतीय डायस्पोरा को एक महत्वपूर्ण संबोधन दिया, जिसमें पारस्परिक विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर प्रकाश डाला गया था जो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच घनिष्ठ ऐतिहासिक संबंधों की नींव है।

ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा के दूसरे दिन सिडनी में एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों को दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान और विश्वास के पीछे एक ताकत के रूप में श्रेय दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सिडनी में शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों के बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रौद्योगिकी, कौशल और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग के साथ सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने तीन देशों के दौरे के समापन पर ऑस्ट्रेलिया से भारत के लिए उड़ान भरी थी। इस दौरे के दौरान उन्होंने जापान और पापुआ न्यू गिनी का भी दौरा किया था।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक ट्वीट में कहा, "तीन देशों की सफल यात्रा संपन्न हुई। जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की तीन देशों की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के लिए रवाना हुए।" प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहराते संबंधों को समझाने के लिए "क्रिकेट डिप्लोमेसी" का इस्तेमाल किया और कहा, "हमारे संबंध टी-20 मोड में आ गए हैं!"

उन्होंने कहा, "मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री अल्बनीस की भारत यात्रा के दो महीने के भीतर ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहा हूं। पिछले एक साल में यह हमारी छठी बैठक है। यह हमारे व्यापक संबंधों की गहराई, हमारे संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है। क्रिकेट की भाषा में, हमारे संबंध टी-20 मोड में प्रवेश कर चुके हैं।

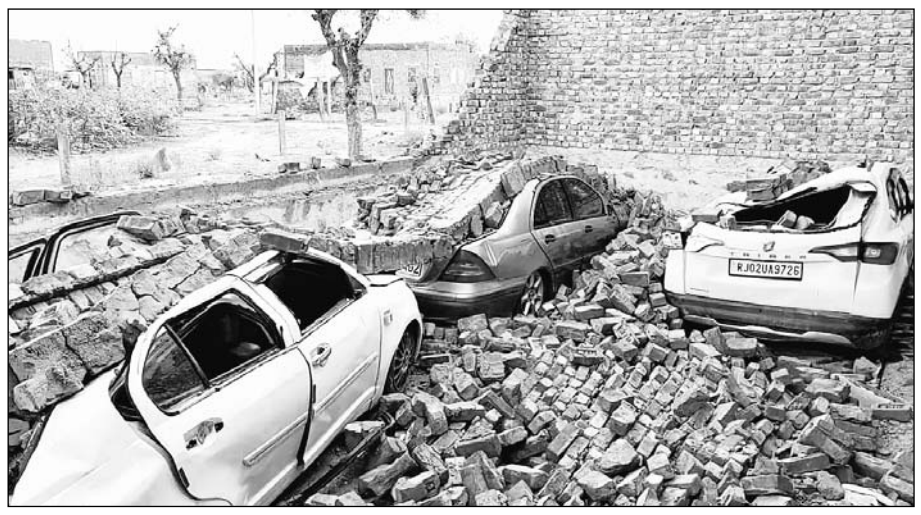

गुरुवार शाम से शुरु हुये तूफान और बारिश ने प्रदेश के कई हिस्सों में जबरदस्त तबाही मचाई और नुकसान पहुंचाया। तूफान के कारण जमालपुरा (चूरु) स्थित एशिया की सबसे बड़ी तिरपाल मंडी की कई दुकानों को भारी नुकसान पहुँचा है। यहाँ बड़े गोदाम की दीवार, वहाँ पर खड़ी तीन गाड़ियों पर गिर गई, जिसके कारण गाड़ियों को भारी नुकसान हुआ है। सुजानगढ़ में सड़क किनारे खड़े एक युवक पर पेड़ गिर गया, इसके अलावा होली धरा के एक खेत में दीवार गिरने से 18 मवेशियों की मौत हो गई। 80 से ज्यादा बिजली के खम्भे गिर पड़े जिस कारण कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई।

टोंक जिले में तूफान ने मचाई तबाही, 12 जनों की मौत

गुरूवार रात 11 बजे आए तूफान में कई मकान गिर गए, टीनें उड़ गई, जिससे12 जनों की मौत हो गई व 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए

- **तूफान के कारण सैंकड़ों जानवर व पक्षी भी मारे गए। इसके अलावा कई मकान, पेड़, बिजली के खम्भे व ट्रांसफॉर्मर गिर गए।**
- **जिला प्रशासन ने राहत कार्य शुरू कर दिए हैं।**

टोंक, 26 मई (निसं)। जिले में गुरुवार रात 11 बजे आए तूफान ने तबाही मचाई है। कई जगह मकान गिर गए तथा टीन उड़ गए। इनके नीचे दबने से जिले में 12 जनों की मौत हो गई, दो दर्जन से ज्यादा घायल हुए।

जिला प्रशासन के अनुसार तूफान में अलग-अलग जगह हुए हादसों में दर्जनों मकान गिर गए और पेड़ व बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर गिर गए। सैकड़ों जानवर और पक्षियों की मौत हो गई। जिले में बिजली व पानी की आपूर्ति बंद हो गई। नुकसान का आंकलन करने के लिए जिले के आला अधिकारी सुबह से फील्ड में पहुँचे।

पुलिस अधीक्षक राजर्षिराज ने बताया कि, मृतकों में धन्ना तलाई टोंक निवासी ईशाक पुत्र इमामुद्दीन, इनायत पुत्री अंसार, अयान पुत्र अंसार, ललवाडी निवासी मोहिद पुत्र वहीद बंजारा, लोदेडा निवासी सुवालाल पुत्र रामू गुर्जर, प्रतापपुरा निवासी बल्लाराम पुत्र भूरालाल मीणा, टोकरावास निवासी लटूर पुत्र हरलाल मीणा, आवां निवासी मुस्ताक पुत्र गफूर खान, गेदिया निवासी अनुष्का भांड, अरनिया निवासी भागीरथ जाट पुत्र श्रीलाल, डिग्गी निवासी बसंत पुत्र हीरा गुर्जर, उनियारा निवासी अर्पिता पुत्री हितेश मीणा की मौत हो गई।

जिले में दर्जनों मकान ऐसे थे जो पूर्ण रूप से गिर गए। रात को आस-पास के लोगों ने उन्हें रहने की जगह दी।

जिला कलेक्टर ने आंधी-तूफान में घायल हुए लोगों की कुशलक्षेम पूछी- जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल और अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवचरण मीना ने गुरुवार रात आए तूफान में मरने वाले लोगों के परिजनों से मिलकर संवेदना जताई एवं जिला प्रशासन की तरफ से हर संभव मदद करने भरोसा दिया। जिला कलेक्टर ने उपखंड निवाई में तूफान से हुई जन एवं पशुहानि का मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम ललवाड़ी में दीवार गिरने से मरने वाले 13 वर्षीय बालक मोहिद के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों ने अपनी पीड़ा जिला कलेक्टर को बताई। जिला कलेक्टर ने उपखंड अधिकारी रविकांत सिंह को प्रभावित परिवारों का सर्वे कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके बाद जिला कलेक्टर ने घासी की ढाणी, लोदेडा एवं अवाना की ढाणी में क्षतिग्रस्त हुए घरों तथा जन एवं पशुहानि का मौके पर जाकर जायजा लिया। उपखंड टोंक के ग्राम निमोला की सरदारपुरा ढाणी में पेड़ गिरने से घायल हुई वृद्ध महिला भूरी देवी से मिलकर कुशलक्षेम पूछी।

भंवर जितेन्द्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चानना की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट प्रकाश भंडारी ने बताया कि अविनाश चानना की शिकायत पर कोतवाली थाने में भंवर जितेंद्र सिंह, श्रीनाथ सिंह हाडा, विजेंद्र सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने मामले में न्यायालय में एफ.आर. पेश की, जिस पर अविनाश चानना ने प्रोटेस्ट किया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने इस मामले में आई.पी.सी. की धारा 420, 467, 468, 473 120-बी में प्रसंज्ञान लेते हुए 18 नवंबर 2021 को भंवर जितेंद्र सिंह, श्रीनाथ सिंह हाड़ा, विजेंद्र सिंह के खिलाफ गैर जमानती वॉरंट जारी किया था।

सी.जी.एम. कोर्ट के आदेश के खिलाफ भंवर जितेंद्र सिंह एवं अन्य ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अपील की जिस पर न्यायालय ने गुरुवार को फैसला करते हुए सी.जे.एम. कोर्ट द्वारा जारी गिरफ्तारी वॉरंट को जमानती वॉरंट में तब्दील कर दिया लेकिन साथ ही जिला न्यायालय ने सी.जे.एम. के प्रसंज्ञान आदेश को बहाल रखा है।

राजस्थान राज्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लाभ निसृत हो, वचन ग्रहिता की यह अभीप्सा, सदैव सिद्ध प्रमेय नहीं हो सकती है।" उन्होंने अपने आदेश में यह भी कहा कि मैसर्स आशापुरा द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज़, जो उनके प्रस्तावित लाभ को दर्शाते हैं, किसके द्वारा तैयार करे गए हैं और उनकी क्या विश्वसनीयता है, इस विषय में कोई विश्वसनीय और स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। अदालत ने अपने आदेश में इस बात का जिक्र किया है कि मैसर्स आशापुरा ने कुछ घटनाओं का वर्णन किया है जिनका अनुबंध की शर्तों को पूरा करने पर प्रभाव पड़ता है, जैसे बस खराब हो जाने के कारण पार्सल की डिलीवरी ना हो पाना। परन्तु अदालत ने अपने आदेश में कहा कि यह समस्याएं हर जिले में समान रूप से व्याप्त थीं कि नहीं, इस विषय में, कुछ भी स्पष्टता से बताया नहीं गया है। अदालत ने आर्बिट्रेटर के फैसले को रद्द करने के कई कारण बताये हैं और कहा "यह भारत की विधि की आधारभूत नीति कदाचित नहीं हो सकती है कि मध्यस्थ की शरण में आये पक्षकारों के विवादों का निस्तारण करते समय विवेचित अनुबंध के दायरे में वास्तविक क्षति के आधारभूत कारकों एवं क्षतिपूर्ति के मानक सिद्धान्तों की अनदेखी की जाए। राज्य का हित इसमें है कि पक्षकारों के मध्य विवादों का न्यायपूर्ण अंत हो।"

अदालत ने आर्बिट्रेटर के अवार्ड को रद्द करते हुए उसे "तर्कसंगत" एवं "पर्याप्त" नहीं बताया है।

न्यायपालिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों के लिए आवासीय इमारतों के निर्माण के लिए राज्य सरकार के संसाधनों को बढ़ा रही हैं।

स्कीम सहभागिता पर आधारित है इसमें 60:40 (केंद्र : राज्य), उत्तर पूर्वी व दो हिमालयन राज्यों के लिए 90:10 की भागीदारी है। केन्द्र शासित क्षेत्रों में शत प्रतिशत खर्च केन्द्र सरकार उठाएगी।

महाराष्ट्र के मंदिरों में प्रवेश के लिए ड्रैस कोड लागू हुआ

- **मंदिरों में कटी-फटी जीन्स, अर्धनग्न कपड़े, स्कर्ट, उत्तेजक वस्त्र, अशोभनीय वस्त्र पहन कर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है।**

नागपुर, 26 मई। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ की ओर से आज यानी शुक्रवार से नागपुर के चार मंदिरों में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। महासंघ की ओर से मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए यह ड्रेस कोड लागू किया गया है। महासंघ का मानना है कि ड्रेस कोड देश के कई मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्चों, मस्जिदों और अन्य पूजा स्थलों पर लागू है। यह ड्रेस कोड महाराष्ट्र के 300 से अधिक मंदिरों में लागू किया जाएगा। कटी-फटी जींस, अर्धनग्न कपड़े, स्कर्ट, उत्तेजक वस्त्र, अशोभनीय वस्त्र पहन कर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इस तरह के कपड़े पहनकर मंदिर आते हैं, तो उन्हें ओढ़नी, दुपट्टा, लूंगी दिया जाएगा, जिसके बाद उन्हें प्रवेश दिया जाएगा। महासंघ की ओर से कहा गया है कि इस संबंध में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। नागपुर के धंतोली गोपाल कृष्ण मंदिर, संकट मोचन पंचमुखी हनुमान मंदिर बेलोरी, बृहस्पति मंदिर कानॉली बारा और दुर्गा मंदिर आदि शामिल हैं।

नई संसद के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दलों की संख्या 25 तक पहुंचा कर अपना पलड़ा भारी होने का सबूत दे दिया है। ज्ञातव्य है कि 21 विपक्षी दल इस समारोह का बहिष्कार कर रहे हैं।

भाजपा के अलावा, रविवार के समारोह में शामिल होने की पुष्टि करने वाले दलों में शामिल एन.डी.ए. के विभिन्न प्रमुख घटक दल हैं, ए.आई.ए.डी.एम.के., अपना दल, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, शिव सेना का शिंदे गुट, एन.पी.पी. तथा एन.पी.एफ.। कुछ तटस्थ दल, जिनमे बीजू जनता दल, टी.डी.पी. तथा वाई.एस.आर.सी.पी. शामिल हैं, भी उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे।

विपक्षी दलों में से शिरोमणि अकाली दल (एस.ए.डी.) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) तथा जनता दल सेकुलर भी रविवार के समारोह में शरीक होंगे। जे.डी. (एस) की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा समारोह में शामिल होंगे। इससे पूर्व, कांग्रेस सहित 19 विपक्षी दलों ने इस सप्ताह के प्रारंभ में ही एक संयुक्त बयान में संसद भवन के उद्घाटन के बहिष्कार की घोषणा कर दी थी। दो अन्य पार्टियाँ इनके साथ बाद में आई हैं।

मध्य प्रदेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रयोग किया था। इसी बीच कांग्रेस इस आग में घी डाल रही है, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह जो कांग्रेस के विधायक हैं, ने हाल ही में सिंधिया की प्रशंसा की तथा उन्हें अच्छा वक्ता बताया और कहा कि कांग्रेस के लिए वे बहुत महत्वपूर्ण थे। भाजपा आलाकमान मध्य प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन पर विचार कर रहा है। आदिवासी सांसद सुमेर सिंह सोलंकी को चौहान की जगह मुख्यमंत्री बनाने की चर्चा है। सोलंकी भी संघ के करीबी माने जाते हैं।

राहुल गांधी को अब नया पासपोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने कहा था कि यात्रा करने का अधिकार मौलिक अधिकार है तथा अदालतों ने कांग्रेस नेता के आने-जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। अनुमति लेने की बाध्यता नहीं होने के कारण, वे कई बार विदेश यात्रा पर जा चुके हैं।

मजिस्ट्रेट ने यह भी कहा कि दिसम्बर 2015 में गांधी को जमानत देते समय, अदालत ने उनकी यात्राओं पर कोई नहीं रोक लगाई थी तथा प्रतिबंध लगाने की स्वामी की याचिका उस समय खारिज कर दी गई थी।

ज्ञातव्य है कि गांधी को उस समय लोकसभा की सदस्यता से डिसक्वालिफाई कर दिया था, मोदी सरनेम के बारे में उनकी टिप्पणी को लेकर दायर मानहानि के केस में उन्हें सजा दे दी गई थी।

नैशनल हैरल्ड केस एक प्राइवेट क्रिमिनल शिकायत पर आधारित था, जो स्वामी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ दर्ज कराई थी। उन्होंने इन लोगों पर धोखाधड़ी, साजिश तथा ट्रस्ट के नियमों के क्रिमिनल उल्लंघन के आरोप लगाये थे।

स्वामी ने उन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अब बंद हो चुके अंग्रेजी दैनिक नैशनल हैरल्ड का स्वामित्व प्राप्त करने के लिये धोखाधड़ी की थी तथा फन्ड्स का दुरूपयोग किया था।

ये सब यंग इंडियन लिमिटेड (वाई आई) नामक उस कम्पनी के डायरेक्टर थे, जो 2010 में समाविष्ट की गई थी तथा जिसने नैशनल हैरल्ड की प्रकाशन एससिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (ए.जे.एल.) के कर्ज का भार अपने ऊपर ले लिया था।

स्वामी ने सोनिया तथा राहुल गांधी एवं अन्य पर आरोप लगाया था कि उन्होंने केवल 50 लाख रू. देकर धोखाधड़ी की साजिश करने तथा फन्ड्स का दुरूपयोग किया था। इस प्रकार वाई आई को उन 90.25 करोड़ रू. की वसूली का अधिकार मिल गया था। एजेल इस राशि के लिये कांग्रेस पार्टी की देनदार थी।

अमेरिका प्रवास के दौरान, कांग्रेस नेता सेनफ्रांसिस्को, वाशिंगटन डी.सी. तथा न्यूयॉर्क के कार्यक्रमों में व्यस्त रहेंगे। 30 मई को वे सैंटा क्लारा के सैंटा क्लारा मैरिअट में एन.आर.आई. समुदाय के साथ संवाद करेंगे।

31 मई को राहुल सिलिकॉन वैली की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में "द न्यू ग्लोबल इक्विलिब्रियम" विषय पर व्याख्यान देंगे। स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनैस में इस व्याख्यान का आयोजन "सेन्टर फॉर डेमोक्रेसी", "डवलपमेंट" तथा "रूल ऑफ लॉ" द्वारा किया जा रहा है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष प्रमुख व्यवसायियों तथा कलाकारों के ग्रुप के साथ पृथक-पृथक मीटिंग करेंगे। इसके वे कुछ मीडिया इन्टरव्यूज भी देंगे।

राहुल 1 और 2 जून को वाशिंगटन में होंगे। 1 जून को वे नैशनल प्रेस क्लब में "भारतीय लोकतंत्र का भविष्य", "भाषण की स्वतंत्रता" तथा "स्टेनेबल एवं इनक्लूसिव इकॉनॉमिक ग्रोथ" विषयों पर बोलेंगे। सी.एन.एन. के लिये फरीद ज़करिया को एक इन्टरव्यू देने की योजना बनाई जा रही है। राहुल भारतीय अमेरिकन एन्ट्रेप्रीन्योर फ्रैंक इस्लाम की मेजबानी में एक डिनर में शामिल होंगे। इस डिनर में बिजनैस लीडर्स, सीनेटर्स तथा कांग्रेमैन भी मौजूद होंगे।

न्यूयॉर्क में राहुल 4 जून को जैविट्स सेंट में भारतीय अमेरिकनों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा, वे पूरे अमेरिका से आये इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सदस्यों के साथ भी मीटिंग करेंगे।

मणिपुर में भाजपा नेताओं पर हमले

इंफाल 26 मई (वार्ता)। मणिपुर में दो जातीय समूहों के बीच संघर्ष के शीघ्र समाधान की मांग को लेकर गुरुवार रात महिलाओं सहित बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ.आर के रंजन के आवास की ओर मार्च किया।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर जारी हमलों को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गयी है।

मणिपुर पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की एक मजबूत टीम की ओर से उन्हें वापस जाने के लिए मजबूर किया गया। इससे पहले बिशनपुर जिले में गोविंददास कों ग्राौजम मिनिस्टर वर्क्स के आवास पर महिलाओं ने हमला किया था। इस बीच राज्य के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार को दोपहर तक कर्फ्यू में ढील दी गई। भाजपा नेताओं के आवासों के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भाजपा नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करने वालों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया।

75 रूपए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"भारत" तथा दायीं और अंग्रेजी में "इंडिया" अंकित होगा।

सिक्के के दूसरी ओर पार्लियामैंट कॉम्पलेक्स के चित्र के नीचे वर्ष "2023" अंकित होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600